

एक लाख करोड़ के निवेश से बदल जाएगी शहर की तस्वीर

यूपीसीडा व एमएसएमई मिलकर औद्योगिक परिदृश्य को देंगे नया रूप, आवास योजनाओं से पांच वर्ष में दिखेंगी कई टाउनशिप



कानपुर संवाददाता कानपुर : एक लाख करोड़ रुपये का निवेश, यह एक ऐसी राशि है जो किसी भी शहर की तस्वीर को आमूलधूल तरीके से बदल सकती है। एमएसएमई और शिक्षा के बीच इस शहर को इन्वेस्टर्स समिट के बोर्ड पर नजर आ रही यह राशि एक खुबसूरत भविष्य का संकेत दे रही है। साथ ही आवासीय क्षेत्र में शहर के बड़े-बड़े बिल्डरों का निवेश बता रहा है कि कुछ वर्ष में कई खुबसूरत टाउनशिप भी यहां नजर आएंगी। इन्वेस्टर्स समिट को लेकर उद्यमियों में किस कदर उत्साह का इसका अंदाजा इससे ही लग गया कि तब समय से काफी देर बाद कार्यक्रम शुरू होने के बावजूद वे व्यर्थ जम्ब रहे।

शुक्रवार को कार्यक्रम के समय तक 70 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव हो चुके हैं और सभी इसे एक लाख करोड़ तक ले जाने की बात कह रहे हैं। इसमें उद्योग हैं तो शिक्षा भी। स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश दिख रहा है तो ऊर्जा भी। कृषि और पशुपालन विभाग भी इससे छूटा हुआ नहीं है। डिफेंस के क्षेत्र में काम कर रहे एम्केनू के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक मनोज गुप्ता का उत्साह उनके भाषण से झलक रहा था। वह बोले कि उन्हें नहीं लगता कि कभी इंडस्ट्री पर किसी सरकार का इतना फोकस रहा हो। उन्होंने डिफेंस कारिंदों में और जमीन उपलब्ध करने के लिए भी कहा। लार्ड शिवा इंटरनेशनल के निदेशक सुरील टकर ने अपनी फ्लैटफैट फैक्ट्री



महेंद्रस एम्बर सभागार में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में मौजूद निवेशक गण • जयन्त



महेंद्रस एम्बर सभागार में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करते एम्एसएमई मंत्री राकेश सखान (दाएं से दूसरे) और सांसद सत्यदेव पखैरी। साथ में मौजूद शिक्षा विभाग सरोज कुरील और यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी • जयन्त

हम स्टेनलेस स्टील के देश में दूसरे सबसे बड़े उत्पादक हैं। स्टेनलेस स्टील सीडस का उन्नाव में प्लांट लगा रहे हैं। साथ ही पाइप का भी 1200 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाएंगे। वे प्रोजेक्ट 2,000 करोड़ के हैं और दो वर्ष में शुरू होंगे। तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। योगेश अग्रवाल, चेयरमैन, रिफाइन इस्पात।



भीती के पास अप्पेडबल टाउनशिप बनाने जा रहे हैं ताकि औद्योगिक क्षेत्र में आवासीय सुविधा मिल सके। यह तीन फेज का प्रोजेक्ट होगा। यह अपार्टमेंट नहीं अपना प्लॉट और मकान वाली स्थिति में होगा। इसकी लागत 150 करोड़ की होगी और एक हजार आवास तैयार होंगे। शिव कुमार घातीवाल, फिनांक बूथ।



एम्बाल्ड गार्डन के सामने 11,500 वर्ग गज के प्लॉट में नोएडा की तर्ज पर बहुमंजिला इमारत बनाएंगे। इसमें 10वीं से 33 मंजिल तक रेजीडेंशियल होगी। इससे पहले नी मंजिल तक क्लब हाउस व अन्य सुविधाएं होंगी। चार से पांच वर्ष में यह बिल्डिंग बनेगी। महेश चन्द जैन, पालोना रीवाल्टी एलएलपी।



एक हजार करोड़ रुपये में हाउसिंग, बंगले के साथ 25 एकड़ में मेडी सिटी टाइप बनाएंगे। इसमें होटल, हॉस्पिटल, मल्टीप्लेक्स एक छत के नीचे बनाएंगे। कानपुर उन्नाव रोड पर 140 एकड़ में आइटो पार्क बनाएंगे। अकेले यह पार्क तीन हजार करोड़ रुपये का होगा। विश्वनाथ मुख, निदेशक, इण्डियन इस्पात।



कानपुर देहली में स्टाव का एक नया उत्पाद लांच कर रहे हैं। यह मक्के से बनेगा। इसमें 300 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस पर काम शुरू कर दिया गया है। अगले वर्ष अगिल में उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसमें 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। सुनील गुप्ता, कानपुर स्टार्च प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड।



कानपुर और यहां के उद्योगों की प्रगति के लिए इससे बड़ा और कोई दिन नहीं हो सकता। इससे 2027 की अव्ययस्था को जो लक्ष्य तय किया है, उसे पूरा करने में सहायता मिलेगी। अब देखना है कि एमओयू की जो घोषणा हुई है, उन्हें जमीन पर कैसे लाया जाए। सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईआईए।



बनाने वाले उद्यमियों के लिए योजना लगाने की बात कही तो यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि अब इसकी योजना आ गई है। समिट में शिक्षा विभाग सरोज कुरील, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी

यूपीसीडा अस्मिता पटेल, अपर आयुक्त उद्योग कृतिष्ण शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग सर्वेश्वर शुक्ल, उपायुक्त उद्योग सुधीर श्रीवास्तव, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा

मयंक मंगल रहे।

इनका हुआ सम्मान: कार्यक्रम में अशरफ रिजवान, विश्वनाथ गुप्ता, सुरेश सिंह, योगेश अग्रवाल, सुरेश मदान, धर्म प्रकाश गुप्ता, प्रफुल्ल राठी, आशीष, श्याम कपूर, आदित्य

शर्मा, रविन्द्र सिंह, उदित नारायण, महेश चंद्र जैन, अनूप अग्रवाल, अतुल कपूर, सुनील गुप्ता, राघवेन्द्र चंद्र सेठ, अमित कुमार, विजय कुमार मेहरोत्रा, निरंजन गुप्ता, संजीव कक्कड़, शिव कुमार पालोवाल,

जुहैब सिद्दीकी, कार्तिकेय दीक्षित, नितिन कुमार, आदित्य नारायण दीक्षित, चंदन अग्रवाल, उदित ज्ञानान, अभिषेक जाखोदिया, सुरील ताकर, ओमप्रकाश तनवानी का सम्मान हुआ।